गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

News Articles published in newspapers on the celebration of Constitution Day, 2022

नवभारत बिलासपुर, रविवार, दिनांक 27.11.2022

my city | न्यायधानी

हर वर्ग के लिए सहयोग का भाव रखें: प्रो. चक्रवाल

गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी में मनाया गया संविधान दिवस

नवभारत रिपोर्टर । बिलासपुर।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर रजनीति विज्ञान विभाग द्वारा शनिवार नवंबर सुबह 10 बजे रजत जयंती सभागार में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय भारत लोकतंत्र की जननी रहा।

स्वागत उद्बोधन डॉ सांत्वना पाण्डेय सहायक प्राध्यापक रजनीति विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। प्रो. अनुपमा सक्सेना, ने रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि बरुन सखाजी ने कहा कि संविधान संहिता की किताब है जो भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेते हुए लोकतंत्र बना रहेगा। उन्होंने

सामाजिक सहभागिता और योगदान के साथ साथ सांस्कृतिक एक जुटता की भी बात कही, संबोधन की अंतिम कड़ी में उन्होंने कहा कि ,जीवन जीने का आधार अनेक है, लेकिन सभी की धारणा एक है। उन्होंने संविधान की उदेशिका में निहित "लोग" का वर्णन किया और लोग तथा नागरिक के बीच अंतर बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर अलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि युवाओं को समाज के उत्थान ... करना चाहिए। हमें मौलिक अधिकारों से ज्यादा मौलिक दायित्वों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है। राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए देशवासियों को साथ आना होगा। अतिथियों ने भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र भेंट किये। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो मनीष श्रीवास्तव व एमएन त्रिपाठी अधिष्ठाता ने भी विचार व्यक्त किए।

पत्रिका बिलासपुर, रविवार, 27.11.2022

संविधान दिवसः संस्थानों में व्याख्यान कार्यक्रम हुए आयोजित, उद्देशिका की ली गई शपथ, वक्ताओं ने रखी बात

'भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेते हुए लिखी गई संविधान संहिता की किताब'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बिलासपुर. गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर रजनीति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में समारोह का आयोजन हुआ। विषय भारत:लोकतंत्र की जननी रखा गया था। प्रथम चरण में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार बरुण सखाजी श्रीवास्तव ने कहा कि संविधान संहिता की किताब है, जो भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेते हुए लिखी गई है। उन्होंने सामाजिक सहभागिता व योगदान के साथ-साथ सांस्कृतिक एकजुटता की भी बात कही। उन्होंने कहा कि जीवन जीने के कई आधार हैं, पर सभी की धरणा एक है। उन्होंने संविधान की उद्देशिका में निहित "लोग" का वर्णन करते हुए लोग नागरिक के बीच अंतर बताया। कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि युवाओं को समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। हमें मौलिक अधिकारों से ज्यादा मौलिक दायित्वों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है। राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए देशवासियों को साथ आना होगा। हमें अपने कर्तव्यों व दायित्वों का निर्वाहन करना होगा। इस बीच सहायक प्राध्यापक रजनीति विज्ञान विभाग डॉ. सांत्वना पांडेय, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अनुपमा सक्सेना सहित अन्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम को सांबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व स्टॉफ शामिल था।

विजेताओं व अतिथियों का सम्मान

मंचस्थ अतिथियों ने भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। विजेताओं को इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। इसी क्रम में इसी तरह मंचस्थ अतिथियों को शॉल, श्रीफल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. रामकृष्ण प्रधान व सहायक प्राध्यापक रजनीति विज्ञान विभाग डॉ. सांत्वना पांडेय ने किया।

छात्रों ने ली संविधान पालन करने की शपथ

डायनेमिक शिक्षा-मित्र व जरहाभाटा छात्रावास के छात्रों ने संविधान दिवस पर कतारबद्ध होकर संविधान की उद्देशिका पढ़ कर समर्पित होकर चनलेशपथ ली। उन्होंने संकल्प लिया कि वे संविधान के अधिकार व कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक रहेंगे। कर्त्तव्यों का पूर्ण पालन करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कोया धरम पोर्ते ने कहा कि संविधान से ही हमारे देश की सारी गतिविधियां सही रूप से संचालित होती हैं। हमें संरक्षण प्रदान करती हैं। भारतीय संविधान ने हमें मौलिक अधिकार व कत्तव्य दिए हैं। इन्हीं से हमारे देश की समाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, शिक्षा, चिकित्सा विकास निहित है। सदैव इसका सम्मान करना चाहिए।

भारतीयों के डीएनए में है लोकतंत्रः वाजपेयी

अटल बिहारी वाजपेई विश्व विद्यालय में कॅम्प्यूटर विज्ञान विभाग के तत्वावधान में संविधान दिवस पर भारत लोकतंत्र की जननी विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सदस्य सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद प्रकाश वारियर, मुख्य वक्ता अवर सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण कामिनी जायसवाल थीं। जबकि अध्यक्षता कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी नकी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता कामिनी जायसवाल ने महिलाओं और बच्चों के शोषण को रोकने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि आनंद प्रकाश वारियर ने विधिक सेवा प्राधिकरण के क्षेत्र में आम जनता को जागरूक करने कौन-कौन सी योजनाएं इस पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति आचार्य अरुण दिवाकर नाथ ने कहा कि भारतीयों के डीएनए और खून में लोकतंत्र की भावना भरी हुई है। कुलसचिव शैलेंद्र दुबे ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में विश्व विद्यालय के कुलगीत की गायिका मोनिका खुरसैल को मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स शामिल थे।

सीवीआरयू में संविधान की उद्देशिका की ली गई शपथ

बिलासपुर. डॉक्टर सीवी रमन विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विधि विभाग आइक्यूएसी व एनएसएस द्वारा विभिन्न आयोजन किए गए। सभी ने भारत के संविधान की उद्देशिका की शपथ ली। इस अवसर पर भारत लोकतंत्र की जननी विषय पर व्यायान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीन अकादमिक डॉ अरविंद तिवारी ने कहा कि वास्तव में हम सभी अपने अधिकारों को लेकर बहुत ज्यादा जागरूक हैं, लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति बहुत विमुख हैं। भारतीय संविधान में विद्वानों ने कर्तव्य और दायित्व दोनों का स्पष्ट उल्लेख किया है। संविधान सभा के सदस्यों के संघर्ष की कहानी है कि उन्होंने उच्चतम शिखर पर बैठे व्यक्ति से लेकर निम्न स्तर पर संघर्ष कर रहे के व्यक्ति तक की सभी बातों का इसमें समावेश किया है। हमें इसे निष्ठा के साथ अंगीकृत कर करना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित डीएसडब्ल्यू डॉ.मनीष उपाध्याय ने कहा कि हमारा संविधान हमें समान अधिकार देता है, यही कारण है कि समाज के अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को पूरे समान के साथ सर्वोच्च स्तर पर समान मिलता है। कायक्र म में उपस्थित डीन ऑफ आर्ट्स संगीता सिंह ने भारतीय संविधान में उल्लेखित विषयों की जानकारी दी, इस अवसर पर उपस्थित एक भारत श्रेष्ठ भारत के समन्वयक डॉ.अभिषेक पाठक ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी उद्देश्य एक दूसरे की कला संस्कृति साहित्य को समझने के साथ-साथ वहां के स्थानीय व्यवस्था को समझना है। यह तभी संभव है जब हमें संविधान का ज्ञान हो।

विभूतियों को बिरसा-फुले-अंबेडकर सम्मान से नवाजा गया

दैनिक भास्कर बिलासपुर, रविवार, 27.11.202

दैनिक भास्कर

बिलासपुर भास्कर 27-11-2022

गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी

सीयू में राजनीति विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम किया। उद्बोधन डॉ. सांत्वना पाण्डेय ने दिया। समन्वयक राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपमा सक्सेना ने रूपरेखा प्रस्तुत कीं। मुख्य अतिथि बरूण श्रीवास्तव ने कहा कि संविधान संहिता की किताब है, जो भारतीय संस्कृति से प्रेरणा लेते हुए लोकतंत्र बने रहने की बात कहती है। कुलपति प्रो. आलोक चक्रवाल ने कहा कि युवाओं को समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। हमें मौलिक अधिकारों से ज्यादा मौलिक दायित्वों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है।